

हरिद्वार विकास प्राधिकरण,

हरिद्वार

की

22वीं बोर्ड बैठक

दिनांक 02.03.1996

हरिदार विकास प्राधिकरण, हरिदार की बैठक दिनांक 2 मार्च, 1996
में भाग लेने वाले अधिकारियों की उपस्थिति।

<u>क्र०सं०</u>	<u>नाम अधिकारी</u>	<u>पदनाम</u>	<u>उपस्थिति ह०</u>
1-	श्री सचेत विरदी	अध्यक्ष/आयुक्त	<u>H.K.P.</u>
2-	श्री सुधाकर सिंह,	उपाध्यक्ष	<u>मंग 1996</u>
3-	श्री पी० एन० एन०	अध्यक्षप्रभु महो लोनि वि० (मृत्यु)	
4-	सन्. पी० अनेजा	वरिष्ठ नियोजक न. एवं शा० एन० एन० एन०	<u>2002</u> <u>2-3-96</u>
5-	रम० आर० वर्मी	विशेष कार्यालयीकारी आवास	<u>मृत्यु</u>
6-	राज० राज० घासीलाल	संकुल निकाय, कोषाग्र	<u>मृत्यु</u>
7-	राज० राज० झेणा	मेरठ आवास राज० राज० घासीलाल	<u>मृत्यु</u>
8-			
9-			
10-			
11-			
12-			
13-			

विषय संघी

बद्र से 0	विषय	पृष्ठ संख्या
1-	विगत बैठक दिनांक 6-10-95 की कार्यवृत्त का अनुमोदन	1 से 3
2-	विगत बैठक दिनांक 6-10-95 में लिए गये निर्णयों का क्रियान्वयन	4 से 6
3-	बजट वर्ष 1995-96 का वास्तविक आय-व्यय एवं प्रस्तावित बजट वर्ष, 1996-87	7 ..
4-	हरिदार विकास प्राधिकरण, विकास क्षेत्र श्रिंखला में विवादास्पद खसरा नम्बर, 74,84,276,279 एवं 298 पर मानवित्र स्वीकृति के सम्बन्ध में।	8 से 9
5-	विन्केश्वर मन्दिर से गौरी कुण्ड तक सी0सी0 सड़क में हुए विघ्न की स्वीकृति के सम्बन्ध में।	10
6-	लायन्स क्लब गोविन्दपुरी द्वारा नेत्र चिकित्सालय के मानवित्र संख्या-174/94 में विकास शूल्क में छूट विषयक।	11
7-	दिल्ली हरिदार बाड़ पात समीप यादव धर्मशाला के खसरा नम्बर, 185 से 190 तथा ज्वालापुर हरिदार रोड समीप तरपुड्ज होटल खसरा नम्बर 689,694,695 के भ्रू-उपयोग के सम्बन्ध में।	12
8-	अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से-	

(166)

मुद्रा संख्या - १

प्रियत बैठक दिनांक ६-१०-९५ को - प्रा. वा. अनुमा

हरिदार विकास प्राधिकरण, हरिदार की 21 वीं बैठक प्रारम्भ करते हुए सचिव/उपाध्यक्ष ने माओ झधिकारियों/तदत्परों का स्वागत किया। उपाध्यक्ष ने बैठक के विचाराधीन/प्रत्तावित विषयों की पृष्ठभूमि की तंत्रित ल्परेखा प्राधिकरण के तंत्र रखी। जब बैठक दिनांक 2-3-95 के निर्णयों/विधानसभा की पुष्टिकृती की गयी। सम्बल विचारोपरान्त निम्न प्रकार निर्णय लिए गये-

अ- हरिदार महायोजना की वित्तगतियाँ
के सम्बन्ध में विचार।

इ- अनाधिकृत निर्णयों के तम्बन्धित अपराधों
के इसमें हेतु लेनोपेत शासन उपचिति, 1994
के अनुमोदन के सम्बन्ध में विचार।

मुद्रा संख्या-2,

प्राधिकरण का बजट वर्ष, 1994-95 रेंज वर्ष 95-96
का इनावित बजट अनुमोदन के सम्बन्ध में।

मुद्रा संख्या-3,

प्रियोरिटी लिस्ट की रेनो ऐनों की महायोजना
के सम्बन्ध में विचार।

उपर्युक्त दोनों विचार विमर्श हुए। सुधूय नगर रेंज ग्राम नियोजन, ग्रामज्ञ के प्रतिनिधि
श्री इमोपी० अनेजा, दरिछट नियोजक द्वारा महायोजना दोनों द्वारा की अनुमोदन
कराया। सुधूय नगर रेंज विभाग की भूमि के नीमांकन के सम्बन्ध में प्रदृढ़ हो। ऐनो ३-१०-९५
के नियत्यह झधिकारियों के ताथ विचार विमर्श उपरान्त वह निर्णय प्रियोरिटी लिस्ट वर्ष 16.10.95 के
विभाग के अधिकारियों के ताथ अधिकारी हैं ऐनो नगर रेंज ग्राम नियोजन के ताथ अधिकारी हैं ऐनो नगर
के पश्चात दोई बैठक के सम्बन्ध रखा जाय।

118-2

विचार विमर्श उपरान्त प्रत्ताव का अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्यालय विचार गया।

प्राधिकरण को अवगत कराया गया है कि गत बैठक के निर्णय के अनुसार वार्षिकावधी की जा रही
है। निर्णय दिया गया कि वित्तवृत्त प्रत्ताव आगामी बैठकों में प्रत्तुत किया जाय।

विचार विमर्श उपरान्त प्रत्ताव का अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्यालय विचार गया।

प्रियत बैठक

तर्द नमस्ति के प्रत्ताव अनुमोदित किया गया। प्राधिकरण वे बजट वर्ष, 1995-96 में हुए अन्त तक रखें
429.25 लाड, प्रत्तावित कुल व्यय 366.53 लाड वा अनुमोदन उपरान्त दिया जाय। दूसरे
वह नियम दिये गये कि नरदुलोदान विधि ते शांतिक घटन ही स्वतंत्रता दराजा ताथ रथा हूँ।
घटन प्राधिकरण के गम्भीर ही अनुमोदन हेतु प्रत्तुत किया जाय।

प्रत्तावित प्रकरण पर विचार विमर्श हुए। सुधूय नगर रेंज ग्राम नियोजन, ग्रामज्ञ के प्रतिनिधि
श्री इमोपी० अनेजा, दरिछट नियोजक द्वारा महायोजना दोनों द्वारा की अनुमोदन
कराया। सुधूय नगर रेंज विभाग की भूमि के नीमांकन के सम्बन्ध में प्रदृढ़ हो। ऐनो ३-१०-९५
के नियत्यह झधिकारियों के ताथ विचार विमर्श उपरान्त वह निर्णय प्रियोरिटी लिस्ट वर्ष 16.10.95 के
विभाग के अधिकारियों के ताथ अधिकारी हैं ऐनो नगर रेंज ग्राम नियोजन के ताथ अधिकारी हैं ऐनो नगर
के पश्चात दोई बैठक के सम्बन्ध रखा जाय।

मुद्र संख्या-४

हर को पैडी जनानायाट हुक्म ज्ञायालय के पात्र तिथत मूरुण्ड वर मन्दर निर्गुप को स्वीकृति के तंदंध में कियार।

प्रकरण पर वित्तीय धर्या हुयी। प्रश्नगत तथल हर को पैडी के समीप तिथत है, जो एक नामा जिक सांस्कृतिक, धार्मिक बृजित से अत्यंत संवेदनशील छेत्र है। प्राधिकरण को भवन उद्योगियों में हर को पैडी के 200 मीटर के खेत में किती पुकार का निर्माण अनुबन्ध नहीं है। यह भवन उपविष्ठियाँ अनुमोदन हेतु जासन स्तर पर लम्बित है। इस संदंध में एक बाद मात्र न्यायालय, हरिद्वार में भी विचाराधीन है। अतः सर्वतम्भति ते निर्षय हुआ कि नामा मार्ग-दर्शन हेतु शूर्प विवरण तदित जासन जो तंदंधित कर दिया जाय तथा जासन के निर्देशनानुसार कार्यदाती हुनिश्चिह्न दो जाय। प्रकरण रजेण्डा से समाप्त किया गया।

मुद्र संख्या-५

मन्दिर संख्या-१४०/१५ नं० इण्डिन ऑफिकल कार्यालयोंरेफन नि० के उत्तरा न्य०-२५७ ग्राम नोडरमुल ज्यानापुर के देवगेत वस्त्र जिलेग लैन को स्वीकृति दर दियार।

प्रकरण दर वित्तीय स्तर है चिह्नार-विमर्श हुआ। उल्लेख नगर रवं ग्राम नियोजन विभाग के त्रिवेदी श्री रमेशो इन्जेन द्वारा यह छड़ा गया कि महादेवना को बृजित ते भी हर वृद्धर जा दरोड़ बर लिया जाए। अध्यक्ष नदोदय द्वारा यह नियोजित किया गया जो इकेटक के तंदंध में निर्देशनाधार से हरिद्वार ते भी जांच करा ती जाय। तदूनार तस्वीर विवरण रजेण्डा मामला उन्हों द्वेष में विधारार्थ रखा जाय।

मुद्र संख्या-६

देवद्वारा भगवदालिका भूमि वर डिस्ट्रिक्ट तेन्टर उत्तराने के तंदंध में कियार।

प्रस्ताव दर लैक्वांटिक तदमति तर्कममति के प्रदान को गयो। निर्देश दिये गये दि डिस्ट्रिक्ट सरतेन्टर भी किया जाय तथा भूमि का वज्जा प्राप्त ढोने दे रद्दार महायोधना वृ० शू-उपयोग उद्देश्ये हेतु प्रस्ताव जासन को देखित किया जाय। निर्माण/जिगत कार्य विभिन्न वरमों में नियोजना के भू-उपयोग के अनुबन्ध ही किया जाय। प्रकरण रजेण्डा ते सर्वतम्भति ते समाप्त किया जाय।

मद संख्या-7

डिल्डिंग केन्टर/आवातीय योजना हेतु ग्रामसभा
को मूमि प्राप्त करने के तंब्ध में दिया।

સરદ તંખયા-8

अन्त विषय अधिकार नवोदय को अनुमति ते-
उत्तरकृष्णनगर के उपनिषद् वाद
प्रिया-106/94 में लगाए गए इन दूसरे के संबंध
में दिया।

दिल्ली (दिल्ली) दिल्ली

प्रस्ताव पर दैदांतिक सहमति प्रदान की गयी। निर्देश दिये गये कि ग्राम सभा में भूमि की उपलब्धता भी देव ली जाय। ग्राम ज्वालापुर में तिर्फ 10 हेक्टेयर भूमि ही प्राप्त की जाय। लगभग 2 हेक्टेयर भूमि ग्रामीणों के लिये छोड़ी जाय। भूमि का कब्जा प्राप्त होने के पश्चात ही महायोजना में भू-उपयोग बदलने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेरित किया जाय। शासन की स्वीकृति के पश्चात महायोजना में भू-उपयोग के अनुस्य ही निर्माण/चिकात जारी कराया जाय। तर्वत्तमति में प्रकरण एजेंडा से तमाप्त किया गया।

वित्तीय दिवार विमर्श उपरान्त यह निर्षट लिया गया कि ब्याज की धनराशि प्राप्त कर दें जाए तथा कुल इन धनराशि जो देवे अंदरेक स्पष्टे ३५,३००/- रुपए ११००/- देते गाह को किसी भौम वसूल कर दिया जाए। इदै भविष्य में शासन ने नई जन्म उपचिधि द्वाप्त होतो है, तो उसका नाम दिव्यधि को दिया जाएगा। तत्कालीन ते द्रुतर एकेण्ठा ते तनाच लिया गया।

८ दृष्टिकर्ता तथा उपाध्यक्ष

स्य०इ० विरद्धे
विरुद्ध/विरुद्ध

प्रेषण,

उपाध्यक्ष,
हरिदार विकास प्रापिकरण,
हरिदार।

लेखार्थी,

- 1- विशेष सचिव, आवास, ३०५० शातन लखनऊ प्रमुख सचिव आवास के नामित सदस्य।
- 2- श्री सन०सन० धपतियाल, मधुक निदेशाक, कोषागार, मेरठ प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के नामित सदस्य।
- 3- सचिव, उत्तरायं विकास विभाग, ३०५० शातन, लखनऊ।
- 4- मुख्य नगर संच ग्राम नियोजक, नगर संच ग्राम नियोजन विभाग, ७ बन्दरिया बाग, ३०५० लखनऊ।
- 5- जिलाधिकारी, हरिदार।
- 6- जिलाधिकारी देहरादून।
- 7- अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, हरिदार।
- 8- प्रभारी अधिकारी, नोटिफाइड सरिया मुनि को रेती, बिहिरेवा।
- 9- प्रभारी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, बिहिरेवा।
- 10- अधोक्षणा अभियन्ता, लो०निर्विठि०, ३२ वाँ बृत्त तहारनपुर प्रमुख अभियन्ता, लो०निर्विठि० लखनऊ के नामित सदस्य।
- 11- अधोक्षणा अभियन्ता, प्रकल्प मण्डल, जल निगम, लड्कों प्रबन्ध निदेशाक, जल निगम, लखनऊ के नामित सदस्य।

दिनांक मार्च, 1996

संघया-
दिघ्य-
महोदय,

हरिदार विकास प्रापिकरण, हरिदार को 22 वाँ बैठक दिनांक 2-3-96 को कार्यवाही का प्रेषण।
हरिदार विकास प्रापिकरण, हरिदार को 22 वाँ बैठक दिनांक 2-3-96 को आयुक्त/अध्यक्ष महोदय को अध्यक्षता में उनके समाक्ष मेरठ में पूर्वान्वित 11-00 बजे सम्पन्न हुई थी। बैठक में तिस गये निर्णयों का कार्यवृत्त को छाया प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित है।
संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

मददीय

उपाध्यक्ष



२। वीर्य बैठक दिनांक ६-१०-१९९५ में लिए गये निर्णयों का-क्रियान्वयन-

प्राधिकरण की विगत बैठक दिनांक ६-१०-१९९५ को तम्भन हुई थी। बैठक की कार्यवाही सभी मानसिकताओं/पदाधिकारियों को, प्रेषित की गयी। किसी भी पदाधिकारी/तदस्य द्वारा कोई आपत्ति /सुझाव प्रेषित नहीं किया है। लिए गये निर्णयों का क्रियान्वयन निम्न प्रकार है-

कं०सं० विषय

अनुपालन

१- हरिद्वार महायोजना की विसंगतियों के तम्भन्य में।

महायोजना के सम्भावित विसंगति बैठकों का तर्केषण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इस तम्भन्य में जनप्रतिनिधियों से दिनांक २७-२-१९९६ को एक बैठक विचार विमर्श हेतु आयोजित की गयी है। तत्पश्चात प्राधिकरण की पूर्व बैठक के निर्णयानुसार कार्यवाही तम्भन करके प्रस्ताव आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा।

२- अनाधिकृत निर्माण से सम्बन्धित अपराधों के शामन हेतु दंशोधित शामन उपविधि, १९९४ के अनुमोदन के तम्भन्य में।

प्राधिकरण के निर्णय के अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

३- प्राधिकरण का बजट वर्ष, १९९५-१९९६ एवं वर्ष १९९६-१९९७ का प्रस्तावित बजट अनुमोदन तंबंधनी

प्राधिकरण द्वारा अनुमोदत बजट, १९९५-१९९६ के अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

४- श्रष्टिकेश मुनि की रेती बैठकों की महायोजना के तम्भन्य में विचार।

निर्णय के अनुसार वन विभाग के अधिकारियों एवं सद्युक्त नियोजक भेरठ के ताथ दिनांक-१६-१०-१९९५ को श्रष्टिकेश में बैठक तम्भन हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि वन विभाग द्वारा तमस्त वानित तूचनायें शीघ्र ही उपलब्ध करायें। वन विभाग द्वारा कुछ सूचनायें भी प्रेषित की हैं। इस तम्भन्य में पुनः दिनांक ८-२-१९९६ को भी बैठक की गयी। प्रगति से नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के प्रतिनिधि अवगत करायें।

Secretary
H.D.A.

हरिदार विकास प्राधिकरण, हरिदार की 22 वीं बैठक दिनांक 2-3-96 की कार्यवाही

1- बैठक का स्थान-

कायलिय,आयुक्त,मेरठ मण्डल,मेरठ।

2- बैठक का समय-

11-00 बजे पूर्वान्हि।

उपस्थिति-

1- श्री एच०एल०विरदी,आयुक्त,मेरठ मण्डल,मेरठ	अध्यक्ष
2- श्री सुधाकर सिंह,उपाध्यक्ष,हरिदार विकास प्राधिकरण,हरिदार	उपाध्यक्ष
3- श्री एन०आ०स० वर्मा,विशेष कार्याधिकारी,आचास,उ०प्र० शासन लखनऊ।	प्रमुखसचिव आचास के प्रतिनिधि
4- श्री एन०पी० झेजा,वरिष्ठ नियोजक,नगर संच ग्राम नियोजन चिभाग०उ०प्र० लखनऊ	मुख्य नगर संच ग्राम नियोजक के प्रतिनिधि
5- श्री एन०एन०थपतियाल,संयुक्त निवेशाक,कोषागार,मेरठ	प्रमुख सचिव,वित्त के नामित सदस्य
6- श्री पी०एम० वर्मा० अधीक्षणा अभियन्ता,ल००निर्विभाग०हरनपुर	प्रमुख अभियन्ता,ल००निर्विभाग०के नामित सदस्य
7- श्री राज कुमार अरोड़ा,अध्यक्ष,नगरपालिका परिषद,हरिदार	सदस्य

5- हरकी पेड़ी जनानाधाट स्लम शौचालय के पात्र
स्थित भूमिका पर मन्दिर निर्माण के सम्बन्ध में।

6-मानवित्र संख्या-148/95 मै0इण्डियन आॅफल,
कारपोरेशन लि0 के खतरा नम्बर, 257 ग्राम
मनोहरपुर, ज्वालापुर के पैट्रोल पम्प फिलिंग
स्टेशन की स्वीकृति पर विचार।

7- देवपुरा नगरपालिका भूमि पर डिस्ट्रिक्ट
सेन्टर बनाने के सम्बन्ध में।

निर्णय के अनुसार विस्तृत विवरण सहीत मार्ग दर्शन हेतु प्रकरण शासन को इस कायलिय के पत्र संं 2359 दिनांक 31-10-95 द्वारा प्रेषित किया जा चुका है। शासन से कोई तृप्तना प्राप्त न होने पर पुनः अनुस्मारक पत्र संख्या-2678 दिनांक 7-12-95 शासन को भेजा गया। इस बीच सियाई विभाग द्वारा न्यायालय के आदेश के पालन में मंदिर का अवैध निर्माण कर लिया गया। प्राधिकरण द्वारा 30प्र० नगर योजना विकास अधिनियम-1973 के अधीन धारा-27/28 की कार्यवाही की गयी। जिसको माननीय न्यायालय आदेश के पालन में शासन से वांछित उत्तर प्राप्त होने तक स्थगित कर दिया गया है।

निर्णय के अनुसार जिलाधिकारी हरिदार से जाँच करायी गयी। विस्तृत आख्या अध्यक्ष महोदय को इस आख्य से प्रेषित की गयी कि मानवित्र स्वीकृति हेतु अनुमोदन प्रदान कर दिया जाय और मानवित्र स्वीकृति प्रश्नात बोर्ड बैठक में कार्योत्तर स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया जायेगा अध्यक्ष महोदय के अनुमोदन प्राप्त कर मानवित्र दिनांक 5-12-95 को स्वीकृत कर दिया गया है। अतः प्रकरण प्राधिकरण के समक्ष अवलोकनार्थ संबंधित है।

निर्णय के अनुसार राजत्व ग्राम मायापुर में स्थित तथा भल्ला कालेज के समीप नगरपालिका परिषद की भूमि खतरा नम्बर, 516 ब्लॉक 13706-50 वर्ग मीटर को हरिदार विकास प्राधिकरण द्वारा क्र्य किस जाने हेतु प्राधिकरण की ओर से नगरपालिका को विक्र्य की अनुमति प्रदान करने हेतु उपसंचित, नगर विकास अनुमान-8 30प्र० शासन को पत्र संख्या-2227 दिनांक 18-10-95, पत्र संख्या 2803 दिनांक 16-12-95 संबंधित 4087 दिनांक 18-1-96 द्वारा अनुरोध किया जा चुका है। परन्तु वानिक अनुमति नगरपालिका परिषद को जमी तक प्राप्त नहीं हो सकी है, जिसके अमाव में नगर पालिका से भूमि क्र्य नहीं की जा सकी है। शासन से अनुमति प्राप्त होने के पश्चात निर्णय के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

Secretary
H. D. A.

हरिदार विकास प्राधिकरण, हरिदार की 22वीं बैचेड बैठक दिनांक 2-3-96 का कार्यवत्त

लक्ष प्राप्ति करते हुए अध्ययन/उपाध्यय में या २० अधिकारियों/अदस्तों का स्वागत किया। तचित, द्वितीय विकास प्राप्तिकरण ने डैठक के विपारी-
धीन/प्रत्याशित विषयों की पृष्ठभूमि को संविधान स्पर्शेभा प्राधिकरण के सम्बन्ध रखी। सम्प्रक विद्यारोपरान्त निम्न प्रकार निम्न लिए गये—
गढ़ संघर्ष—। विषय डैठक दिनांक ६.१०.१९५ को कार्यवृत्त का अनुमोदन-

विषय बैठक दिनांक 6-10-95 की कार्यवृत्ति का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
21वं बैठक दिनांक 6-10-95 में किए गए हैं।

मद तंख्या-२

रिंडर प्राप्ति के लिये निर्धारित क्रियान्वयन-

२४।५ हरिद्वार म
के संबंध में।

उपाध्यक्ष ने अवगत कराया कि इस संबंध में जनप्रतिनिधियों के साथ दिनांक 27-2-96 को बैठक की गई है। बैठक में निर्णय के जनुसार कार्यवाही की जा रही है। प्रनति तो आगामी बैठक में ज्वरगत कराया जायेगा। प्राधिकरण को अवगत कराया गया कि प्रश्नगत प्रकरण में चिंता बैठक में लिये गये निर्णय के जनुसार कार्यवाही की जा रही है। प्रकरण स्पेष्टा से समाप्त किया गया।

2828

अनाधिकृत निर्माण से सुंबंधित अपराधों के शमन हेतु सभा प्रधित शमन उपचिह्न, 1994 के अनुप्रदान के सबूथ में।

2838

प्राधिकरण का बजट 1994-95 एवं
95-96 का पस्तातिव बजट।

2348

अधिकेंग मनि की रेती धैर्यों -

2348

महायोजना के संबंध में विचार।

वर्ष 1995-96 के बजट की कार्यवाही/अनुपालन जा संवत्सरिति के अनुमोदन किया गया। प्रकरण स्पेनडा से समाप्त किया गया।

विगत छैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार की गयी कार्यवाही का सर्वतम्मति ते जनुमोदन किया गया एवं नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग को निर्देश दिये गये कि गीध्र ही शब्दिकें को महायोजना तैयार करने का कार्य पूर्ण किया जाय। सहयुक्त नियोजक, ३०४० नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, भेरठ ने शब्दिकें महायोजना के संबंध में उपस्थित तदस्थण को प्रगति ते जनुमोदन किया गया मानपित्र उनके द्वारा बनाया गया है, उसकी दोनों प्रतियों पर अध्यक्ष महोदय ते विस्तार में वर्णा की गयी। सहयुक्त नियोजक, भेरठ को शब्दिकें महायोजना बनाने में यह कठिनाई तामने आयी कि मुनि को रेती और रथामपुर के बीच में बहुत सी ऐती वन विभाग की भूमि है, जिसका प्रयोजन वानिकी न होकर अवैध भवन इत्यादि बने हुये हैं। उनकी समस्या यह थी कि महायोजना में ऐते अवैध निर्माणों को किस प्रकार दर्शाया जाय। अध्यक्ष महोदय ने वर्षा के द्वाद यह निर्देश दियेकि इस संबंध में मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, ३०४० और शासन स्तर पर एक छैठक करके समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जाय तथा अगली छैठक में प्रगति ते अवगत कराया जाय।

१८

४५

- 8- विल्डिंग सेन्टर/आवासीय योजना हेतु ग्रामसभा की मूमि प्राप्त करने के सम्बन्ध में।
- निर्णय के अनुसार ग्राम ज्वालापुर में गाँव सभा की केवल 10 हैक्टेयर मूमि के पुनर्विणा हेतु संबोधित प्रस्ताव जिलाधिकारी हरिदार को पत्र दिनांक 27-11-95 भेजा जा चुका है। ग्राम ज्वालापुर में गाँव सभा की 10 हैक्टेयर मूमि के पुनर्विणा किए जाने हेतु मूमि प्रबन्धक, समिति द्वारा दिनांक 10-1-96 को तर्वं सम्मिति से प्रस्ताव स्वीकृत कर दिया गया है। अग्रिम कार्यवाही जिलाधिकारी कायालिय स्तर पर विचाराधीन है। मूमि का विधिवत कब्जा प्राप्त होने के बाद निर्णय के अनुसार भू-उपयोग बदलने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जायेगा। शासन से स्वीकृत पश्चात तदनुसार कार्यवाही की जायेगी। विल्डिंग सेन्टर की योजना छड़कों को प्रेषित की जा चुकी है।
- 9- विरक्त कुटिया सप्तसरोवर के अनाधिकृत वाद तंद्या-106/94 में लगाये गये शासन शुरून्क को माफ करने सम्बन्धी।
- निर्णय के अनुसार 1100/-प्रति माह कित्तों में धनराशि जमा करायी जा रही है।

Secretary
H.D.A.

:2:

285] हरको पैडी जनानाधाट द्वारा भौंचालय के पास स्थित भूखण्ड पर मन्दिर निर्माण के सम्बन्धमें।

286] मानविक संघा-148/95 में 05प्रियन आर्यल काशपोरेशान लि0 के खसरा नम्बर, 257ग्राम मुदोहरपुर, ज्वालापुर के पैटोल पम्प फिलिंग स्टेशन की स्वीकृति पर विचार।

287] देवपुरा नगरपालिका भूमि पर डिस्ट्रिक्ट सेन्टर बनाने के सम्बन्ध में।

288] विलिंग सेन्टर/आवासीय योजना देव भूमि प्राप्त करने के सम्बन्ध में।

289] विरक्त कुटिया, सप्तसरोवर के जनाधिकृत बाद संघा-106/94 में लगोय गये इमान शुल्क को माफ करने के सम्बन्ध में।

प्रश्नगत प्रकरण में प्राप्तिकरण द्वारा की गयी कार्यवाही का अनुमोदन किया गया और विचारोपरान्त तर्तम्मति से निर्णय लिया गया कि शासन का उत्तर प्राप्त होने तक मामला स्थगित रखा जाय। शासन का उत्तर प्राप्त होने के पश्चात तद्दुसार कार्यवाही शुरूनियत की जाय। प्रकरण स्जेंडा से समाप्त किया जाय।

प्रकरण का सर्वतम्मति से अनुमोदन किया गया। प्रकरण स्जेंडा से समाप्त किया जाता है।

प्रत्ताव का अनुमोदन किया गया तथा निर्देश दिए गये कि शासन को अनुस्मारक मेंकर भूमि की अनुमति प्राप्त की जाय तथा भू-उपयोग के अनुसार ही निर्माण/विकास कार्य किए जायें। प्रकरण स्जेंडा से सर्वतम्मति से समाप्त किया गया।

प्रकरण पर विस्तृत विचार विष्वर्व हुआ। विचारोपरान्त निर्णय लिया गया कि जिलाधिकारी स्तर पर लम्बित कार्यवाही पूर्ण कराकर भूमि का विधिवत कब्जा प्राप्त किया, तथा विगत बैठक दिनांक 6-10-95 में लिए गये निर्णय के अनुसार भू-उपयोग बदलने देव प्रत्ताव शासन को प्रेरित किया जाय और शासन को स्वीकृति प्राप्त होने पर विलिंग सेन्टर को स्थापना कर का कार्य पूर्ण करायो जाय। तब तक प्रकरण स्जेंडा से समाप्त किया जाता है।

विगत बैठक में दिनांक 6-10-95 में लिए गये निर्णय के अनुसार रुपये, 1100/- प्रति माह कितार में घनरोशि जमा करायी जा रही है। अनुचूलन को तर्कसम्मति से अनुमोदित किया गया।

प्रकरण स्जेंडा से समाप्त किया गया।

विधायक
हृषिकेश
विधायक
हृषिकेश

विषयः

वर्ष १९९६-७ का प्रस्तावित बजट

३.१ वर्ष १९९५-९६ के बजट में आय ₹० ४२९.०० लाख तथा व्यय ₹० ३६६.५३ लाख अनुमोदित था। इन वर्ष भग्न शुल्क भद के अन्तर्गत ₹० २०.०० लाख का प्रस्ताव था, जिसके विपरीत जनवरी, ९६ तक ₹० २३.५६ लाख प्राप्त हुई जो कि ११८% है तथा विकास शुल्क के भद में ₹० ३०.०० लाख के प्रस्ताव के विरुद्ध माह जनवरी, ९६ तक ₹० ३०.१३ लाख प्राप्त हुई, जोकि 100% है। इसके अतिरिक्त हरिलोक आवाहीय योजना के अन्तर्गत जनवरी, ९६ तक शतप्रतिशत आय प्राप्त हुई।

३.२ राजस्व व्यय में बुक प्रिंटिंग भद में ₹० ५.१९ लाख का बजट स्वीकृत था। मैरी ऊन्नता ऑफेटेट द्वारा भुगतान न होने के फलस्वरूप सम्बन्धीय उच्च न्यायालय, दिल्ली में रिकवरी तूट दायर किया है, उत्ती के छम में तम्बाच्चित फर्म ते राजीनामा कर लम्बित बिलों का भुगतान ₹० ७.७७ लाख किया गया।

३.३ पूंजीगत व्यय में कार/जीप/उपकरण/भवन भद के अन्तर्गत ₹० ३.०० लाख का प्रस्ताव था। बोर्ड की बैठक की स्वीकृति के उनुस्य कम्प्यूटर की महत्वता को देखते हुए कम्प्यूटर खर्च किया गया। जिसके कारण जनवरी, ९६ तक ₹० ३.३१ लाख व्यय हुआ, जोकि बजट ते ०.३१ लाख अधिक है। कृपया अधिक व्यय को अन्य मर्दों में हुई बयत ते प्रूर्ति कर लिया गया है।

३.४ वर्ष १९९६-७ की प्रस्तावित बजट में विभिन्न मर्दों में आय ₹० ४७५.३० लाख तथा व्यय ₹० ४५८.१० लाख प्रस्तावित है।

३.५ उपरोक्त प्रस्तार ३.१ प्राधिकरण बोर्ड के तम्ब अवलोकनार्थ प्रत्युत तथा प्रस्तार ३.२, ३.३, ३.४ अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

इस्तृत बजट का कम्प्यूटर प्रिंट परिशिष्ट के त्वं में तंत्रन है।

मद संख्या- 4

विषय- हरिदार विकास प्राधिकरण, हरिदार के विकास क्षेत्र अधिकेश्वर में विवादात्पद खतरा नम्बर, 74, 84, 276, 279 रुपये 298 पर माननित्र स्वीकृति के सम्बन्ध में विवाद।

हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार के अन्तर्गत अधिकेशा में स्थित राजस्व ग्राम में मानवित्र स्वीकृत किए जाने का कार्य किया जाता रहा है। इत राजस्व ग्राम में खतरा नम्बर, 74, 84, 276, 279 संख 298 भी सम्मिलित हैं। इन खतरा नम्बरों में निम्न प्रकार प्रदर्शित क्षेत्रफल पर भूमि का स्वरूप परिवर्तित न करने, किंतु भी प्रकार का निर्माण न करने संबंधी भूमि को किंतु प्रकार ते हत्ता-नाटण करने पर तहायक क्षणकट्टर पृथम श्रेणीदेहरादून द्वारा दिनांक 4-5-92 को रोड लगायी गयी थी।

क्र०तं०	खतरा नम्बर	कुल खेत्रफल	न्यायालय आदेशानुसार खेत्रफल
1-	74	450.82 एकड़	63.44 एकड़
2-	84	10.84 एकड़	10.84 एकड़
3-	276	322.02 एकड़	57.90 एकड़
4-	279	254.58 एकड़	193.00 एकड़
5-	298	57.96 एकड़	20.00 एकड़

उपर्युक्त न्यायालय के आदेश से प्रभावित बतरा नम्बरों में दिनांक 1-3-95 से पूर्व मानवित्र स्वीकृत किए जाते रहे हैं। किन्तु इति तिथि के पश्चात यह तथ्य प्रकाश में आने के कारण मानवित्र स्वीकृत किए जाने का कार्य लगभग समाप्त कर दिया गया है। इति विवादित भूमि पर आवेदकों द्वारा मानवित्र स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इति कारण उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी/उपजिलाधिकारी देहरादून को मानवित्र स्वीकृति पर अनापत्ति प्रदान करने हेतु पत्र लिखे जातेरहे हैं। इस ब्रम्म में उपजिलाधिकारी देहरादून ने अपने पत्र तथ्या-देहरादून को 2027 दिनांक 25-5-95 के द्वारा सूचित किया है कि इन बतरा नम्बरों में धारा 229 बी० के तहत विभिन्न सम्बन्ध न्यायालयों में वाद विधाराधीन हैं। अतः वाद के विधाराधीन रहते अनापत्ति दिया जाना सम्भव नहीं होगा। इति प्रकार मानवित्रों को स्वीकृत किए जाने का कार्य अनापत्ति न मिलने के कारण स्थगित कर दिया गया है। इति कृत्य से ब्रिष्णेभा की जनता को कामी कठिनाईयों हो रही हैं, और उनके प्रत्यावेदन भी साप्त हुए हैं। उनका कथन है कि प्राधिकरण को मानवित्र अपनी भवन उपविधियों के अधीन स्वीकृत करना चाहिए और इन तन्दर्भित बतरा

नम्बरों में प्रत्येक मानवित्र पर उपजिलाधिकारी की अनापत्ति प्राप्त करने का कोई औधित्य नहीं है। जबकि राजस्व अभियोगों में वर्तमान में भी भूमि हस्तान्तरण कर दाखिल यारिज की कार्यवाही की जा रही है। उपर्युक्त विषम समस्या पर जिला शासकीय अधिवक्ता देहरादून की राय माँगी गयी। श्री यशपालसिंह, शासन की ओर से अधिवक्ता तैनात है, ने अपनी राय में यह उल्लेख किया है कि विवादित भूमि पर किसी भी निर्माण की अनुमति देना मा० न्यायालय के आदेशों की — अवहेलना होगी। इस भूमि पर मानवित्र स्वीकृत करना उचित न होगा।

उपर्युक्त परिस्थितियों में जब कि विकास प्राधिकरण में प्रचलित भवन उपविधियों के अध्याय-2 मांग-। में विकास अनुद्वा के लिए आवेदन पत्र के प्रस्तर-5॥। संव 2४ में आवेदक के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए जाने वाले अभियोगों का उल्लेख किया गया है ताथ ही इसी अध्याय के अनुच्छेद 5॥५॥में विवरण अनुद्वा हेतु आवेदन पत्र के साथ स्वामित्व का सत्यापित प्रमाण पत्र, विक्रिय पत्र या पट्टे की सत्यापित प्रति, या खतौनी अभियेक सहित सजरा प्लान की सत्यापित प्रतिलिपि या प्राधिकरण द्वारा मान्य कोई अभियेक प्राविधानित है और यदि उसी के अनुसार आवेदक दस्तावेज प्रस्तुत करता है, तो उस पर मानवित्र स्वीकृति की कार्यवाही की जाती है, किन्तु इन विषम परिस्थितियों में जब आवेदक समस्त औपचारिकताये पूर्ण करता है तो भी किसी भी स्पष्ट में कमज़ोर न हो सके और प्राधिकरण शासकीय भूमि की सुरक्षा में बाधक न हो।

प्रकरण प्राधिकरण के समष्ट अवलोकनार्थ संव अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

Secretary
M.D.A.

मद संख्या- 5

विलोपवर मन्दिर से गौरी कुण्ड तक सी०सी० सड़क में हुए विघ्लन की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

यह मार्ग पहाड़ की तहहटी में होने के कारण वर्ष के पानी से ध्रुतिग्रस्त होता था। आवश्यकतानुसार इस मार्ग को पक्का किए जाने हेतु स्पष्टे, 48, 989-84 का आगणान बनाया गया तथा कार्य की निविदा आमन्त्रित कर स्पष्टे, 45, 070-65 स्वीकृत किया गया। कार्य के दौरान पहाड़ की ओर से जाने वाले पानी के कारण सड़क कटान को रोकने हेतु तकनीकी ट्रूटि से यह निर्णय लिया गया कि एक 9 फीट गहरी तथा 2 फीट ऊँची ठोकर/वॉल्डर पहाड़ की ओर के किनारे पर बनाया जाय ताकि पानी सड़क के ऊपर होकर जाय और सड़क के नीचे कटान न हो सके।

ठोकर के निर्माण के कारण कार्य में हुई बढ़ोतरी, कार्य की स्वीकृत धनराशि स्पष्टे 45, 070-65 में विघ्लन पहचात कार्य की कुल लागत स्पष्टे 63, 194-00 हुई जो कि स्वीकृत धनांक के सापेक्ष 40. 21% उच्च है। यह निर्धारित मानक 10% से अधिक है। कार्य की आवश्यकता एवं यात्रियों की कठिनाई को देखते हुए कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कार्य पूर्ण किए हुए लगभग 2 वर्ष से अधिक हो चुका है, कार्य ऊमी भी सन्तोषजनक है। अतः प्रस्ताव है कि विघ्लन स्पष्टा 18, 123-98 की स्वीकृति एवं ठेकेदार का अन्तिम भुगतान किए जाने का प्रस्ताव विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।



Secretary
H.D.A.

मद संख्या- 6

विषय- लायन्स क्लब गोविन्दपुरी हरिदार दारा नेत्र चिकित्सालय का मानधित्र संख्या-167/94 में विकास शूल्क में छूट के सम्बन्ध में।

दिनांक 10-8-94 को लायन्स क्लब रानीपुर हरिदार दारा गोविन्दपुरी हरिदार में नेत्र चिकित्सालय बनाने का एक मानधित्र अस्थीकृति देतु जमा किया है। क्लब को विकास शूल्क स्पष्टा 45,340-00 जमा किस जाने देतु सुधित किया गया। दिस गये समय के अन्दर विकास शूल्क जमा न कराने के कारण मानधित्र अस्थीकृत कर दिया गया है।

क्लब द्वारा पुनः अपने पत्र द्वारा यह झुरोप किया है कि यह एक धार्मिक चिकित्सालय है, जिसमें रोगियों की निःशूल्क देवा की जायेगी। अतः मानधित्र पर विकास शूल्क माफ कर दिया जाय। जित तथा पर चिकित्सालय बनाना प्रस्तावित है वह स्थल पूर्ण स्पृह से विकसित है। यूँकि तत्कालीन उपाध्यक्ष द्वारा विकास शूल्क आरोपित किया गया और जमा न करने के कारण मानधित्र अस्थीकृत कर दिया गया था।

अतः प्रश्नगत मानधित्र में विकास शूल्क में छूट दिस जाने का प्रस्ताव प्राप्तिकरण के सम्बन्ध विचारार्थ प्रस्तुत है।

Secretary
H. D. A.

विषय- दिल्ली हरिदार बाई पात समीप यादव धर्मगाला के खतरा नम्बर 185 से 190 तथा ज्वलापुर हरिदार सोड तमीप सरप्राइज होटल, खतरा नम्बर 689, 694, 695 के मू-उपयोग के सम्बन्ध में।

श्री पारत कुमार जैन के उपर्युक्त विषयक प्रार्थना पत्र दिनांक 14-12-95 के क्रम में अध्यक्ष/आयुक्त महोदय द्वारा यह प्रकरण प्राधिकरण बैठक में रखने हेतु निर्देशित किया है। तदनुसार प्रकरण प्राधिकरण के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत हैं। संक्षेप में तथ्य निम्नवत् हैं।

प्राधिकरण की विभिन्न बैठकों^१दिनांक 10-8-90 अंतिम तरह में यह बिन्दु विचारणीय रहा है कि कुम्भ मेला हेतु महायोजना में समुचित भूमि व्यापारी जाय, ऐसे भूखण्ड जो कि पूर्व में मेलों में पार्किंग हेतु प्रयुक्त किस गये थे, जो कुम्भ मेला हेतु दी रखा जाय, जबकि महायोजना प्रारूप में कुछ ऐसे भूखण्डों^२जिसमें विचाराधीन भूखण्ड भी आवासीय भू-उपयोग हेतु रखा गया था। अतः यह सम्भावना व्यक्त की गयी कि आगामी कुम्भ मेला व्यवस्था में कठिनाई सम्भावित है। इस विषय में प्राधिकरण की बैठक दिनांक 20-4-91 में सहसूक्त नियोजक भैठक द्वारा अवगत कराया गया कि इनके स्थान पर वैकल्पिक भूमि की व्यवस्था मास्टर प्लान में की गयी है।

इसी अवधि में जनवरी, 1992 में शासन द्वारा महायोजना अनुमोदित की गयी और वह लागू हो गयी। जिसमें दोनों विचाराधीन स्थल आवासीय दशायि गये हैं। इसी क्रम में यह विषय प्राधिकरण की आगामी बैठकों में भी विचाराधीन रहा है। प्राधिकरण की बैठक दिनांक 1-5-93 की बैठक में यह विषय मेलों की स्थायी व्यवस्था हेतु योजना तैयार करने सम्बन्धी मद में सम्मिलित हो गया है। उक्त बैठक में जो निर्णय हुआ वह इस प्रकार है-

"अध्यक्ष महोदय द्वारा बताया गया कि उनकी अध्यक्षता में दिनांक 30-4-93 को सम्बन्धित विभागों की बैठके की गयी है। उक्त बैठक में नियर गये निर्णय के अनुपालन में यह प्रकरण प्राधिकरण स्तर से स्थगित रखा जाय" तभी से यह प्रकरण निर्दित है।

यह सत्य है कि श्री जैन के खतरा नम्बर महायोजना में आवासीय हैं परन्तु उपरोक्त भूमि के मू-उपयोग मेला विकल्प में निहित हो जाने के कारण अनित्तम निर्णय नहीं लिया जा सका है। यदि श्री जैन की उपर्युक्त भूमियों का मू-उपयोग परिवर्तन, मेला विकल्प से निकाल दिया जाय तो इसका मू-उपयोग महायोजना में दशायि गये मू-उपयोग आवासीय^३ के अनुसार सम्भव हो पायेगा।

अतः प्रस्ताव प्राधिकरण के समब अवलोकनार्थ संघ विचारार्थ प्रस्तुत है।

Secretary
H.D.A.

:4:

मद संख्या-7 दिल्ली डिरिदार बाई पास के समीप यादव धर्मशाला के खतरा नम्बर 185 से 190 तक तथा ज्वालापुर डिरिदार रोड पर तरप्राङ्गन होटल के पास खतरा नं० 689, 694 रवं 695 के मूः-उपयोग के संबंध में।

मद संख्या-8 अन्य किये अध्यक्ष की अनुमति से।

अन्त में सभी सदस्यों को अध्यक्ष महोदय द्वारा धन्यवाद देते हुए बैठक समाप्त की गयी।

प्रोगेन्ट्र कार बहल
सचिव

सुपाकर तिंडू
उपाध्यक्ष

एयोलन डिरिदार
अध्यक्ष/भाग्यका

प्रकरण पर विस्तृत पियार विमर्श हुआ। निर्णय लिया गया कि इस संबंध में एक समिति जिलाधिकारी, डिरिदार की अध्यक्षता में गठित की जाय, जिसमें उपाध्यक्ष, एयोलन डिरिदार नियोजक, भेरन/अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद डिरिदार/अध्यक्ष, जिला परिषद डिरिदार/स्त्री ब्रह्मण्डनी जी, ज्यराम आश्रम डिरिदार/अध्यक्ष, श्री गंगातंगा डिरिदार रवं महन्त श्री गंकर भारती, सचिव, निरंजनी अखोड़ा डिरिदार सदस्य होंगे। उका समिति संदर्भित खतरा नम्बरों के मूः-उपयोग के संबंध में अपना निष्पक्ष निर्णय लेनी तत्पर्यात प्रकरण प्राधिकरण की आगामी बैठक में पूर्ण जाविहक के ताथ प्रस्तुत किया जायेगा। इस संबंध में अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद डिरिदार ने अपनी जायत्ति पत्र संख्या-1661/एसटी०/९५ दिनांक 26.२.९६ अध्यक्ष महोदय को बैठक में प्रस्तुत किया। निर्णय लिया गया कि इस पत्र को पत्राचाली का भाग बना लिया जाय तथा उक्त समिति इस पत्र पर भी पियार बरें। उपाध्यक्ष प्राधिकरण ने अवगत कराया कि प्राधिकरण में चल रही दो योजनाएँ-गिवलोक रवं डिरिलोक पूर्ण होने की स्थिति में हैं, अतः नसी योजना प्रारम्भ करने के लिये भूमि लेने के लिये प्रयात किये गये हैं। उपाध्यक्ष ने अवगत कराया कि डिरिदार-शिखेश मार्ग पर शार्तिकुंज के तामने भूमि विक्रय हेतु अपलब्ध है, जिसमें आपती समझौते के आधार पर भूमि क्रम किये जाने की कार्यवाही शासनादेश के अनुस्प की जा रही है। सदस्यों ने राय व्यक्त की कि शार्तिकुंज के तामने की भूमि नयी योजना हेतु अत्यंत उपयोगी रहेगी, अतः इसपर शासनादेश के अनुसार अग्रिम कार्यवाही कर प्रत्ताव अध्यक्ष महोदय के अनुमोदनार्थ शीघ्र प्रस्तुत किया जाय।

S.N.	HEAD	93-94 ACTUAL	94-95 ACTUAL	95-96 PROP.	95-96 ACTUAL (31-1-96)	96-97 PROP.	REMARK
REVENUE INCOME							
1	STAMP DUTY	12.02	0.00	20.00	0.00	20.00	
2	INTREST A/C	12.07	9.23	25.00	26.33	35.00	
3	MAP/SUB.DIV. FEES	0.95	1.16	1.25	1.11	1.30	
4	COMPOUNDING FEES	20.07	23.16	20.00	23.56	20.00	
5	BOOKS SALE	1.02	0.78	1.00	0.22	1.00	
6	SUPERVISION CHARGE	28.42	13.82	6.00	6.35	1.00	The past yojna head has been included in the capital income head.
7	GRANT FOR DEVELOPEMENT	8.32	0.00	20.00	0.00	18.00	Expected grant of devl for S.kund,S.park,M.retiranbasera.
8	MISC.(LIC/TEN FEE/TRANS/LEASE)	2.44	2.33	6.00	0.90	1.00	
9	DEVELOPEMENT CHARGES	21.31	25.78	30.00	30.13	35.00	
TOTAL REVENUE INCOME:-		106.62	76.26	129.25	88.60	132.30	
CAPITAL INCOME							
1	RISHILOK YOJNA	0.00	0.00	0.00	0.00	6.00	
2	SHIVLOK-1	0.00	0.00	0.00	0.00	11.00	
3	SHIVLOK-2 YOJANA	77.01	29.14	17.00	10.65	20.00	
4	SHIVLOK-3 YOJANA	76.40	63.73	15.00	2.98	30.00	
5	HARILOK YOJANA	177.68	64.42	52.00	52.25	55.00	
6	T.H.D.C. YOJANA	22.28	5.00	0.00	0.00	0.00	
7	LOAN FROM HUDCO & OTHERS	0.00	0.00	200.00	25.00	200.00	Loan for land acquisition/devel/const for new project.
8	REALISATION OF INSTALMENTS {ADV TO EMPL FOR HOUSE/PLOT ETC}	0.00	0.38	1.00	1.03	1.00	
9	OTHER RECEIPTS	20.22	0.00	15.00	0.00	20.00	Expected income from registration of new scheme.
TOTAL REVENUE INCOME:-		373.59	162.67	300.00	91.91	343.00	
GRAND TOTAL INCOME:-		480.21	238.93	429.25	180.51	475.30	

S.N.	HEAD	ACTUAL	PROF. (31-1-96)	ACTUAL	PROF. (31-1-96)	ACTUAL	PROF. (31-1-96)	REMARK
REVENUE EXPENDITURE								
(A)ESTABLISHMENT								
1 EMPLOYEE'S SALARY/ALLOWANCES	16.57	21.32	26.00	21.10	30.00	Increase prop. due to inclusion of leave encashment head under .		
2 TRAVELING ALLOWANCE	0.60	1.05	1.10	0.64	1.25	this head & increase in salary and D.A.etc.		
3 DAILY WAGES	0.39	0.35	1.00	0.32	0.50			
4 LEAVE SALARY/PENSION CONTRIBUT.	0.00	0.01	0.75	0.51	0.75			
TOTAL	17.56	22.73	28.85	22.57	32.50			
(B)OFFICE MIS.C EXPENDITURE								
1 POSTAGE STAMP	0.10	0.09	0.15	0.08	0.15			
2 STATIONARY	0.59	0.45	0.75	0.23	0.75			
3 OFFICE BUILDING MAINTENANCE	1.29	0.39	1.00	0.27	1.00			
4 TELEPHONE	1.33	2.53	3.00	1.11	3.00			
5 BOOKS/LIBRARY	0.05	0.04	0.10	0.02	0.05			
6 LEGAL EXPENDITURE	1.50	1.48	2.00	1.33	2.00			
7 HOSPITALITY EXP.	0.15	0.23	0.30	0.07	0.30			
8 PRINTING EXP.	0.00	0.25	0.75	0.08	0.50			
9 ADVERTISEMENT	1.43	0.48	0.75	0.65	1.00			
10 AUDIT FEES	1.25	1.00	2.00	0.06	2.00			
11 MISCELLANEOUS	2.87	0.24	1.00	2.48	1.00			
12 EMPLOYEE'S WELFARE	0.00	0.00	0.05	0.00	0.05			
13 MACHINERY MAINTENANCE	0.40	0.02	0.50	0.11	0.50			
14 ELECTRICITY MAINTENANCE	0.59	0.14	0.50	0.01	0.50			
15 VIVEKADHEEN EXP.	0.00	0.00	0.10	0.05	0.10			
TOTAL	11.54	7.32	12.95	6.55	12.90			
(C)VEHICLE MAINTENANCE								
1 MAINTENANCE	0.57	0.23	1.00	0.79	1.00			
2 PETROL/DIESEL	1.21	1.20	1.50	1.11	1.75			
TOTAL	1.78	1.43	2.50	1.90	2.75			
(D)EMPLOYEE'S ADVANCE								
1 VEHICLE	0.15	0.23	0.50	0.48	0.50			
2 HOUSEPLOT	0.17	2.64	7.00	1.46	3.00			
TOTAL	0.32	2.87	7.50	1.94	3.50			
(E)MASTERPLAN SURVEY/CONSULTANT								
[F]DEVELOPMENT EXP.	1.20	0.00	3.30	0.00	1.00			
[G]BOOK PRINTING	37.73	7.03	30.00	10.58	30.00			
[H]TRAFFIC PLANNING	0.00	0.00	5.18	7.77	0.00			
[I]SEED CAPITAL/HUDCO LOAN	0.75	0.00	3.25	0.00	3.25			
TOTAL	60.59	7.03	41.73	18.35	34.25			
15								
15	91.79	11.38	93.53	51.31	85.90			

S.N.	HEAD	93-94 ACTUAL	94-95 ACTUAL	95-96 PROP.	95-96 ACTUAL (31-1-96)	96-97 PROP.	REMARK
CAPITAL EXPENDITURE:-							
1 CAR/JEEP/INSTRUMENT/HOUSE	1.94	1.68	3.00	3.31	0.50		
2 FURNITURES/FICTIONS	0.88	0.41	0.50	0.34	0.50		
3 STORE(CEMENT)	16.98	11.19	15.00	13.77	18.00		
TOTAL	19.80	13.28	18.50	17.42	19.00		
(A) YOJANA LAND PURCHASE:-							
1 SHAVLOK-2 & 3	44.07	19.11	6.00	9.04	0.00		
2 HARILOK YOJANA	60.22	5.91	0.00	0.00	0.00		
3 OTHER YOJANA	0.00	0.00	20.00	0.00	125.00		
TOTAL	104.29	25.02	26.00	9.04	125.00		
(B) YOJANA DEVELOPMENT/CONS.WORK:-							
1 PAST YOJANA(RISHILOK/SHIVOLK	0.00	0.00	1.50	0.00	0.20		
2 SHIVOLK -2	0.00	4.92	4.00	3.60	5.00		
3 SHIVLOK-3	0.00	0.03	20.00	5.80	20.00		
4 OTHER WORKS	6.46	0.00	0.00	0.00	50.00		
5 HARILOK YOJANA	36.83	21.02	80.00	30.36	100.00		
6 T.H.D.C.PUNARWAS YOJANA	17.76	1.07	20.00	3.58	5.00		
7 REFUND FOR LOANS	66.08	24.49	83.00	82.22	13.00		
8 REFUND INTEREST FOR LOANS	0.00	20.82	20.00	12.92	35.00 Increase due to expected loan of hudco & others agency.		
TOTAL	127.13	72.35	228.50	138.48	228.20		
TOTAL CAPITAL EXPENDITURE:-	251.22	110.65	273.00	164.94	372.20		
TOTAL REVENUE EXPENDITURE:-	91.79	41.38	93.53	51.31	85.90		
GRAND TOTAL EXPENDITURE:-	343.01	152.03	366.53	216.25	458.10		

S.N.	HEAD	93-94	94-95	95-96	95-96	96-97	REMARK (31-1-96)
		ACTUAL	ACTUAL	PROP.	ACTUAL	PROP.	
REVENUE INCOME							
1	STAMP DUTY	12.02	0.00	20.00	0.00	20.00	
2	INTREST A/C	12.07	9.23	25.00	26.33	35.00	
3	MAP/SUB.DIV. FEES	0.95	1.16	1.25	1.11	1.30	
4	COMPOUNDING FEES	20.07	23.16	20.00	23.56	20.00	
5	BOOKS SALE	1.02	0.78	1.00	0.22	1.00	
6	SUPERVISION CHARGE	28.42	13.82	6.00	6.35	1.00	The past yojna head has been included in the capital income head.
7	GRANT FOR DEVELOPEMENT	8.32	0.00	20.00	0.00	18.00	Expected grant of devl for S.kund,S.park,M.retirbanbasera.
8	MISC.(LIC/TEN FEE/TRANS/LEASE)	2.44	2.33	6.00	0.90	1.00	
9	DEVELOPEMENT CHARGES	21.31	25.78	30.00	30.13	35.00	
TOTAL REVENUE INCOME:-		106.62	76.26	129.25	88.60	132.30	
CAPITAL INCOME							
1	RISHILOK YOJNA	0.00	0.00	0.00	0.00	6.00	
2	SHIVLOK-1	0.00	0.00	0.00	0.00	11.00	
3	SHIVLOK-2 YOJANA	77.01	29.14	17.00	10.65	20.00	
4	SHIVLOK-3 YOJANA	76.40	63.73	15.00	2.98	30.00	
5	HARILOK YOJANA	177.68	64.42	52.00	52.25	55.00	
6	T.H.D.C. YOJANA	22.28	5.00	0.00	0.00	0.00	
7	LOAN FROM HUDCO & OTHERS	0.00	0.00	200.00	25.00	200.00	Loan for land acquisition/devel/const for new project.
8	REALISATION OF INSTALMENTS 'ADV TO EMPL FOR HOUSE/PLOT ETC'	0.00	0.38	1.00	1.03	1.00	
9	OTHER RECEIPTS	20.22	0.00	15.00	0.00	20.00	Expected income from registration of new scheme.
TOTAL REVENUE INCOME:-		373.59	162.67	300.00	91.91	343.00	
GRAND TOTAL INCOME:-		480.21	238.93	429.25	180.51	475.30	

S.N.	HEAD	93-94 ACTUAL	94-95 ACTUAL	95-96 PROP.	95-96 ACTUAL (31-1-96)	96-97 PROP.	REMARK
REVENUE EXPENDITURE							
(A) ESTABLISHMENT							
1 EMPLOYEES SALARY/ALLOWANCES	16.57	21.32	26.00	21.10	30.00	Increase prop. due to inclusion of leave encashment head under	
2 TRAVELING ALLOWANCE	0.60	1.05	1.10	0.64	1.25	this head & increase in salary and D.A.etc.	
3 DAILY WAGES	0.39	0.35	1.00	0.32	0.50		
4 LEAVE SALARY/PENSION CONTRIBUT.	0.00	0.01	0.75	0.51	0.75		
TOTAL	17.56	22.73	28.85	22.57	32.50		
(B) OFFICE MISC. EXPENDITURE							
1 POSTAGE STAMP	0.10	0.09	0.15	0.08	0.15		
2 STATIONARY	0.58	0.45	0.75	0.23	0.75		
3 OFFICE BUILDING MAINTENANCE	1.29	0.39	1.00	0.27	1.00		
4 TELEPHONE	1.33	2.53	3.00	1.11	3.00		
5 BOOKS/LIBRARY	0.05	0.04	0.10	0.02	0.05		
6 LEGAL EXPENDITURE	1.50	1.46	2.00	1.33	2.00		
7 HOSPITALITY EXP.	0.15	0.23	0.30	0.07	0.30		
8 PRINTING EXP.	0.00	0.25	0.75	0.08	0.50		
9 ADVERTISEMENT	1.43	0.48	0.75	0.65	1.00		
10 AUDIT FEES	1.25	1.00	2.00	0.06	2.00		
11 MISCELLANEOUS	2.87	0.24	1.00	2.48	1.00		
12 EMPLOYEES WELFARE	0.00	0.00	0.05	0.00	0.05		
13 MACHINERY MAINTENANCE	0.40	0.02	0.50	0.11	0.50		
14 ELECTRICITY MAINTENANCE	0.59	0.14	0.50	0.01	0.50		
15 VIVEKADHEEN EXP.	0.00	0.00	0.10	0.05	0.10		
TOTAL	11.54	7.32	12.95	6.55	12.90		
(C) VEHICLE MAINTENANCE							
1 MAINTENANCE	0.57	0.23	1.00	0.79	1.00		
2 PETROL/DIESEL	1.21	1.20	1.50	1.11	1.75		
TOTAL	1.78	1.43	2.50	1.90	2.75		
(D) EMPLOYEES ADVANCE							
1 VEHICLE	0.16	0.23	0.50	0.48	0.50		
2 HOUSE/PLOT	0.17	2.64	7.00	1.46	3.00		
TOTAL	0.32	2.87	7.50	1.94	3.50		
(E) MASTERPLAN SURVEY/CONSULTANC.							
(F) DEVELOPMENT EXP.	1.20	0.00	3.30	0.00	1.00		
(G) BOOK PRINTING	37.73	7.03	30.00	10.58	30.00		
(H) TRAFFIC PLANNING	0.00	0.00	5.18	7.77	0.00		
(I) SEED CAPITAL/HUDCO LOAN	0.75	0.00	3.25	0.00	3.25		
TOTAL	20.91	0.00	0.00	0.00	0.00		
TOTAL REVENUE EXPENDITURE:	60.59	7.03	41.73	18.35	34.25		
	91.79	41.38	93.53	51.31	85.90		

S.N.	HEAD	93-94 ACTUAL	94-95 ACTUAL	95-96 PROP.	95-96 ACTUAL	96-97 PROP.	REMARK
(31-1-96)							
CAPITAL EXPENDITURE:-							
1 CAR/JEEP/INSTRUMENT/HOUSE		1.94	1.68	3.00	3.31	0.50	
2 FURNITURES/FICTIONS		0.88	0.41	0.50	0.34	0.50	
3 STORE(CEMENT)		16.98	11.19	15.00	13.77	18.00	
	TOTAL	19.80	13.28	18.50	17.42	19.00	
(A) YOJANA LAND PURCHASE:-							
1 SHAVLOK-2 & 3		44.07	19.11	6.00	9.04	0.00	
2 HARILOK YOJANA		60.22	5.91	0.00	0.00	0.00	
3 OTHER YOJANA		0.00	0.00	20.00	0.00	125.00	
	TOTAL	104.29	25.02	26.00	9.04	125.00	
(B) YOJANA DEVELOPMENT/CONS.WORK:-							
1 PAST YOJANA(RISHILOK/SHIVOLK		0.00	0.00	1.50	0.00	0.20	
2 SHIVOLK -2		0.00	4.92	4.00	3.60	5.00	
3 SHIVLOK-3		0.00	0.03	20.00	5.80	20.00	
4 OTHER WORKS		6.46	0.00	0.00	0.00	50.00	
5 HARILOK YOJANA		36.83	21.02	80.00	30.36	100.00	
6 T.H.D.C.PUNARWAS YOJANA		17.76	1.07	20.00	3.58	5.00	
7 REFUND FOR LOANS		66.08	24.49	83.00	82.22	13.00	
8 REFUND INTEREST FOR LOANS		0.00	20.82	20.00	12.92	35.00 Increase due to expected loan of hucco & others agency.	
	TOTAL	127.13	72.35	228.50	138.48	228.20	
TOTAL CAPITAL EXPENDITURE:-							
	TOTAL REVENUE EXPENDITURE:-	251.22	110.65	273.00	164.94	372.20	
	GRAND TOTAL EXPENDITURE:-	343.01	152.03	366.53	216.25	458.10	